

७/१०/२५

जरा. Ad. आपीमारि श्री लोकेश गणेश
 के प्रा. पत्र वाले जरा. अग्रिम वाली के
 लिखने में प्रस्तुत है। Ad. आपीमारि के अग्र
 प्रा. पत्र वाले लीकार वाले हेतु प्रस्तुत किया,
 Ad. आपीमारि के प्रा. पत्र का अवलोकन
 तथा Ad. आपीमारि के प्रा. पत्र पर सुनारण।
 सुनायिक प्रा. पत्र के आधार पर आपीमारि
 है। से १० के आधार पर की मोटे संलग्न
 की तथा अधिनियम आधालन से परिणत
 डिमी पारित हो चुकी है, जिससे कोई विवाद
 अग्र श्रेय नहीं है। प्रमाण से आपीमारि अग्र
 आगे कोई कार्य नहीं करी जा रहा है।

अतः Ad. आपीमारि का प्रा. पत्र
 लीकार किया जाता है। ली. लि. (पु.
 वि. के. का है) तथा पि. म. सु. का
 होना नयां से अग्र की जाने। अग्र
 सुनायक गण।

श्रीमती
 शर्मिष्ठा
 लक्ष्मी
 मोरनी
 सिपाई
 लीला
 पिकी
 श्रीमती २, ५, १०
 श्रीमती के मोरनी
 लोकेश लाल
 अग्र
 श्रीमती

७/१०/२५

